Dainik Bhaskar (Indore), 24th October 2025, Page – 08

INOVATION संस्थान में 16 नवंबर को जुटेंगे इंटरनेशनल लेवल के एक्सपर्ट

# IIT भविष्य के नए विषय सिलिकॉन ऑप्टिकल, बायोसेंसर और क्वांटम पर कर रहा है काम

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

आईआईटी इंदौर अब भविष्य के उन विषयों पर काम कर रहा है, जिस पर दुनियाभर के देशों में चर्चा हो रही है। इसके लिए 16 से 18 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक आयोजन सिम्पोजियम ऑन एडवांस्ड फोटोनिक्स एसएपी-2025 होने जा रहा है। इसमें देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता और स्टूडेंट्स शामिल होंगे। इसमें फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी के नवीनतम विकासों पर चर्चा होगी। सम्मेलन ऑप्टिकल साइंस, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम ऑप्टिक्स और उभरती प्रकाश-आधारित तकनीकों की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। आयोजन आईआईटी इंदौर के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक नैनो उपकरण अनुसंधान प्रयोगशाला (ओएनआरएल) और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र (सीएई) द्वारा किया जा रहा है। इसमें आईआईटी इंदौर ऑप्टिका स्टूडेंट्स और आईईईई फोटोनिक्स सोसायटी भी सहयोगी हैं। आयोजन समिति का उद्देश्य शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान जगत को एक साझा मंच पर लाना है, ताकि ऑप्टिकल अनुसंधान का लाभ उद्योग और समाज दोनों तक पहुंचे। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में सिलिकॉन प्रकाशिकी, सेमीकंडक्टर फोटोनिक्स, सूमाइक्रोवेव फोटोनिक्स, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, प्लाज्मोनिक्स, मेटामटीरियल्स, ऑप्टिकल सेंसर, ऑप्टिकल फाइबर कम्युनिकेशन और क्वांटम ऑप्टिकल जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। प्लेनरी टॉक, की-नोट लेक्चर और व्याख्यान के साथ पोस्टर प्रस्तुति का अवसर मिलेगा।

## 50 शोध प्रस्तुत होंगे

सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र और पोस्टर को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। एसएपी- 2025 में सिलिकॉन ऑप्टिकल, क्वांटम संचार और बायोसेंसर पर सेशन आयोजित किए जाएंगे। 50 से ज्यादा शोध प्रस्तुत होंगे। चयनित शोध पत्रों को जर्नल ऑफ नॉन-लीनियर ऑप्टिकल फिजिक्स एंड मटेरियल्स के विशेष अंक में प्रकाशित किया जाएगा। आयोजन से मध्य भारत में उच्च स्तरीय वैज्ञानिक संवाद और तकनीकी सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन 30 अक्टूबर तक करा सकते हैं।